मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–021

संस्कृत साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. एस. के. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एस.के.-021 : संस्कृत वाङ्मय में विज्ञान-परम्परा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

(ii) खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(iii) सभी प्रश्नों के उत्तर किसी एक भाषा हिन्दी, अंग्रेजी या संस्कृत में दीजिए परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही भाषा हो।

खण्ड—क

नोट : *किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए।* $3 \times 20 = 60$

1. संस्कृत वाङ्मय का परिचय देते हुए लौकिक संस्कृत साहित्य पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।
2. संस्कृत वाङ्मय के अनुसार वनस्पति विज्ञान के स्वरूप पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।
3. रसायन विज्ञान के आचार्य तथा उनके ग्रन्थों का विस्तृत परिचय दीजिए।
4. संस्कृत वाङ्मय में उल्लिखित पर्यावरण व दृष्टि विज्ञान पर निबन्ध लिखिए।
5. वैदिक वाङ्मय में वर्णित भौतिकी के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।
6. संस्कृत वाङ्मय में वर्णित प्राचीन गणित के आचार्यों के योगदान पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—ख

नोट : *किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* $4 \times 10 = 40$

7. वैदिक साहित्य का परिचय देते हुए वेदाङ्गों पर प्रकाश डालिए।

8. कृषि विज्ञान पर विस्तृत रूप से लिखिए।

9. प्राचीन खगोल विज्ञान के सिद्धान्तों को विस्तारपूर्वक समझाइए।

10. चिकित्सा विज्ञान की आचार्य परम्परा व उनके ग्रन्थों पर विस्तृत लेख लिखिए।

11. संस्कृत वाङ्मय में वर्णित जल विज्ञान को समझाते हुए जल चक्र पर प्रकाश डालिए।

12. संस्कृत वाङ्मय में उल्लिखित गणित विज्ञान पर निबन्ध लिखिए।

× × × × ×